उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना में साझीदार बनेंगे उद्योग व शैक्षणिक संस्थान

राज्य, जागरण, लखनऊ : प्रदेश के औद्योगिक विकास को गति देने के लिए स्थापित किए जा रहे सेंटर आफ एक्सीलेंस (उत्कृष्टता केंद्र) की स्थापना में उद्योग जगत के साथ-साथ शैक्षणिक संस्थान भी सरकार के साझीदार बनेंगे। इन्वेस्ट यूपी की इस पहल पर उद्योगों और शैक्षणिक संस्थानों के साथ वार्ता का सिलसिला शुरू हो गया है। इस क्रम में शुक्रवार को इन्वेस्ट यूपी और अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, लखनऊ के बीच पिकअप भवन में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति-2022 के तहत उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना पर चर्चा हुई।

इन्वेस्ट यूपी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभिषेक प्रकाश ने कहा कि उद्योग-शैक्षणिक साझेदारी नवाचार को बढ़ावा देगी और उत्कृष्टता केंद्रों के माध्यम से औद्योगिक विकास को गति प्रदान करेगी। बैठक में उत्कृष्टता केंद्रों को बढ़ावा देने के लिए नीति में किए गए प्रविधानों और दिशा निर्देशों के साथ-साथ औद्योगिक नीति के तहत मिलने वाले प्रोत्साहन, सब्सिडी, छूट व अतिरिक्त सहायता पर विस्तृत प्रस्तुति भी दी गई। अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रोफेसर विनीत कंसल ने संस्थान के छात्रों द्वारा किए जा रहे अभिनव शोध की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छात्र, संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में लिथियम-आयन बैटरी, रोबोटिक्स व ग्रीन हाइड्रोजन परियोजनाओं जैसी वैश्विक चुनौतियों पर काम कर रहे हैं। प्रोफेसर कंसल ने विकास को गति देने के उद्देश्य से उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए उद्योगों के साथ साझेदारी करने के संस्थान के लक्ष्य का भी उल्लेख किया। बैठक में अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रोफेसर विनीत कंसल, इलेक्ट्रिकल विभाग के संकाय सदस्य व इनक्यूबेशन प्रबंधक संदीप कुमार मौजूद थे।

- **अभिषेक प्रकाश ने कहा नवाचार को बढ़ावा देगी उद्योग शैक्षणिक साझेदारी**